

9

संख्या- ७ 6 / XLI-1 / प्रशि0 / 2011-4/11

प्रेषक,

ओ०पी० तिवारी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग

देहरादून: दिनांक: 15 अप्रैल, 2011

विषय: वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्यय की वचनबद्ध/आवश्यक मदों की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश सं० 209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31.03.2011 के क्रम में एवं वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु ब्यौरेवार अनुमान में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष प्रशिक्षण प्रखण्ड के अन्तर्गत अनुदान संख्या-16 में वचनबद्ध/आवश्यक मदों की संलग्न-विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में रू० 54996 हजार (रूपये पांच करोड़ उनन्चास लाख छियानवे हजार मात्र) एवं आयोजनेत्तर पक्ष में रू० 335320 हजार (रूपये तैंतीस करोड़ तिरपन लाख बीस हजार मात्र) अर्थात् कुल धनराशि रू० 390316 हजार (रूपये उनतालीस करोड़ तीन लाख सोलह हजार मात्र) की धनराशि को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अन्तर्गत प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये आपके निवर्तन पर रखते हुये व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहां व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहां ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा।

3- व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

4- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या-16 के मुख्य लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार की सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा। यह आवंटन निदेशालय प्रशिक्षण एवं सेवायोजन तथा प्रशिक्षण प्रखण्ड के अन्तर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के संचालन हेतु किया जा रहा है।

5- यदि किसी योजना/शीर्षक एवं मद में आय-व्ययक 2011-12 में बजट प्रावधान में प्राविधानित धनराशि से कम हो तो धनराशि आय-व्ययक प्रावधान की सीमा तक ही व्यय की जाएगी।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग दिनांक 31.03.2012 तक करते हुये प्रत्येक माह का व्यय की गयी धनराशि का विवरण बी0एम0-13 पर प्रत्येक दशा में शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।

7- निदेशालय द्वारा आहरण-वितरण अधिकारियों को बजट का आवंटन उनके अधीन वर्तमान में संचालित प्रत्येक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को प्रत्येक मद में (वेतन, महंगाई, अन्य भत्ते को छोड़कर) संस्थावार आवश्यकतानुसार फांट करते हुये किया जायेगा और जिसकी प्रति प्रत्येक दशा में शासन को भी उपलब्ध कराई जायेगी।

7- उक्त आदेश वित्त विभाग शासनादेश संख्या- 209/XXVIII(1)/2011 दिनांक 31.03.2011 में दिए गए निर्देशों के क्रम में जारी किए जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(ओ0पी0 तिवारी)
उप सचिव।

संख्या एवं दिनांक - उपरोक्तानुसार।

प्रतिलिनि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, समस्त जनपद, उत्तराखण्ड।
3. वित्त नियंत्रक/वित्त अधिकारी, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय, हल्द्वानी।
4. प्रधानाचार्य/आहरण-वितरण अधिकारी, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, देहरादून/हरिद्वार/श्रीनगर/बड़कोट/कर्णप्रयाग/सल्ट, महादेव/कालसी/कटु प्रयाग/अल्मोड़ा/हल्द्वानी/काशीपुर/टनकपुर/पिथौरागढ़/नई टिहरी।
5. एनआईसी, सचिवालय।
6. नियोजन विभाग।
7. वित्त अनुभाग-5।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील सिंह)
अनु सचिव।

अनुदान संख्या-16

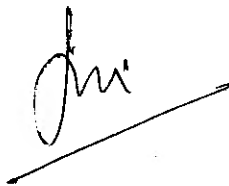
धनराशि हजार रुपये में

- (1) लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार
 03-प्रशिक्षण
 001-निदेशन तथा प्रशासन
 01-प्रशिक्षण एवं रोजगार सम्बन्धी अधिष्ठान

क्र. सं.	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1.	01-वेतन	-	10000
2.	02-मजदूरी	-	40
3.	03-महंगाई भत्ता	-	6000
4.	06-अन्य भत्ते	-	1100
5.	09-विद्युत व्यय	-	70
6.	10-जलकर/जल प्रभार	-	05
7.	13-टेलीफोन पर व्यय	-	60
8.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	-	50
9.	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	-	200
	योग	-	17525

- (2) लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार
 03-प्रशिक्षण
 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण
 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें
 0101-योजना आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण (75% के०स०)

क्र. सं.	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1.	01-वेतन	750	-
2.	03-महंगाई भत्ता	450	-
3.	06-अन्य भत्ते	83	-
4.	10-जलकर/जल प्रभार	10	-
5.	13-टेलीफोन पर व्यय	200	-
6.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	200	-
	योग	1693	-



(3) लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार

03-प्रशिक्षण

003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान

क्र. सं.	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1.	01-वेतन	30000	180000
2.	02-मजदूरी	100	200
3.	03-महंगाई भत्ता	18000	108000
4.	06-अन्य भत्ते	3300	19800
5.	09-विद्युत देय	500	4000
6.	10-जलकर/जल प्रभार	100	200
7.	13-टेलीफोन पर व्यय	100	125
8.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	50	50
9.	17-किराया उपशुल्क कर-स्वामित्व	500	3500
10.	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	200	500
	योग	52850	316375

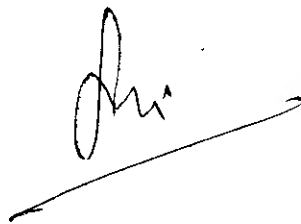
(4) लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार

03-प्रशिक्षण

003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

08-औद्योगिक प्रशिक्षण सलाहकार समिति

क्र. सं.	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1.	13-टेलीफोन पर व्यय	-	50
2.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	-	400
3.	17-किराया उपशुल्क कर-स्वामित्व	-	150
	योग	-	600



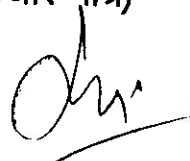
- (5) लेखाशीर्षक 30-श्रम तथा रोजगार
 03-प्रशिक्षण
 103-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण
 109-नये व्यवसाय एवं अतिरिक्त यूनिट खोला जाना

क्र. सं.	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1.	01-वेतन	250	-
2.	03-महंगाई भत्ता	150	-
3.	06-अन्य भत्ते	28	-
4.	09-विद्युत खर्च	25	-
	योग	453	-

- (6) लेखाशीर्षक 2230-श्रम तथा रोजगार
 03-प्रशिक्षण
 102-शिक्षुता प्रशिक्षण
 03-शिशिक्षु प्रशिक्षण योजना

क्र. सं.	मानक मद संख्या का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1.	01-वेतन	-	450
2.	02-मजदूरी	-	10
3.	03-महंगाई भत्ता	-	270
4.	06-अन्य भत्ते	-	50
5.	27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	-	40
	योग	-	820

- आयोजनागत पक्ष :- रू0 54996 हजार
 (रूपये पांच करोड़ उनन्चास लाख छियानवे हजार मात्र)
 आयोजनेत्तर पक्ष :- रू0 335320 हजार
 (रूपये तैंतीस करोड़ तिरपन लाख बीस हजार मात्र)
 कुल धनराशि :- रू0 390316 हजार
 (रूपये उनतालीस करोड़ तीन लाख सोलह हजार मात्र)


 (सुनील सिंह)
 अनु सचिव।